



B.Com./B.B.M. II - Semester Degree Examination, May - 2018

HINDI (Basic) (CBCS)

(Study of Indian Language)

Paper No. : II

(New)

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 70

Instructions to Candidates:

- सूचना:** 1) लिखावट शुद्ध एवं देवनागरी लिपि में हो।
 2) निर्धारित पुस्तके - 1) काव्यतारा 2) हिन्दी व्याकरण।

I. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×10 = 20)**

- 1) चाह नहीं सम्माटों के शब पर हे हरि डाला जाऊँ।
 चाह नहीं देवों के सिर सर चढ़ूँ भान्य पर इठलाऊँ॥
- 2) प्रथम रश्मि का आबा रंगिणि!
 तूने कैसे पहिचाना?
 कहां, कहां हे बाल विहंगिनि?
 पाया, तूने यह गाना?॥
- 3) मत व्यथित हो फूल! किस को
 सुख दिया संसारने?
 स्वार्य मय सब को बनाया -
 है यहाँ करतारने?

II. किन्हीं दो प्रश्नों के लिए समीक्षात्मक उत्तर लिखिए। **(2×10 = 20)**

- 1) “नाश का त्योहार” कविता के माध्यम से कवि
 हमें क्या संदेश देना चाहता है।

[P.T.O.]



- 2) “बीती विभावरी” जागरी कविता छायावाद
की श्रेष्ठ कविता कही जाती है समझाईए।
3) “कालीदास” कविता का सार अपने वाक्यों में लिखिए।

III. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लिखिए। $(2 \times 10 = 20)$

- 1) सर्वनाम के कितने भेद हैं। विस्तार से लिखिए।
2) क्रिया किसे कहते हैं। और उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।
3) विशेषण की परिभाषा लिखकर उसके भेदों को समझाईए।

IV. अ) हिन्दी से कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए। $(1 \times 5 = 5)$

गांधीजी ने एक बार कहा था, “धन गया तो कुछ नहीं गया, रवारथ्य गया तो कुछ गया, मगर चरित्र गया तो सब कुछ गया।” इसका मतलब है, चरित्र ही मनुष्य की असली संपत्ति है। इसलिए मनुष्य का चरित्र निर्माण करना समाज और राष्ट्र का पहला कर्तव्य है।

आ) हिन्दी में अनुवाद कीजिए। <https://www.vskub.com> $(1 \times 5 = 5)$

ਮेराभाय भारतद धामीक जैकासदली अत्युत्तम वृक्षयागीद्धारै। तैवारी
भृत्यन्नौ दैवरिग निर्माप मूलक भारतीय संतर मौग्नलैयली तन्नदै अद शून
गिप्सीक्षोऽदिद्धारै। अवृत्त वृम्हाश्कै मुत्तु मनस्सिन बलवृ ऊग मौलृयुद्वारीदै।

Mira Bai is an outstanding figure in India's religious history. Her intense devotion to God has secured for her a place in the gallery of Indian Saints. Her sincerity and strength of mind are unique and her renunciation grand.

